प्रकृति परिवर्तन (Prakriti Parivartan)

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण और व्यवहार परिवर्तन हेतु एक राष्ट्रव्यापी पहल

मुख्य लक्ष्य: आगामी 3 वर्षों (2026–2028) में भारत के 28 राज्यों में 5,000 सेवाकेंद्रों के माध्यम से 50 लाख से अधिक नागरिकों तक पहुँचना।

1. परियोजना की पृष्ठभूमि (Background)

आज भारत जल संकट, कचरा प्रबंधन की चुनौतियों और कृषि संबंधी तनावों जैसे गंभीर पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रहा है। सरकारी नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास के बावजूद, जब तक मानवीय व्यवहार में परिवर्तन नहीं आता, तब तक स्थायी समाधान संभव नहीं है।

"प्रकृति परिवर्तन" परियोजना का मानना है कि पर्यावरण का क्षरण वास्तव में मानवीय मूल्यों के क्षरण का परिणाम है। यह प्रोजेक्ट संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ मिलकर व्यवहार परिवर्तन, आध्यात्मिक पारिस्थितिकी और जमीनी स्तर पर ठोस कार्यों को एकीकृत करता है।

2. कार्यक्रम का विस्तृत विवरण (Detailed Description)

यह परियोजना 5 मुख्य स्तंभों (Pillars) पर आधारित है:

स्तंभ 1: सचेत जीवन शैली पाठ्यक्रम (Jeevanshaili Parivartan)

- उद्देश्य: दैनिक जीवन में मूल्यों को अपनाकर पर्यावरण की रक्षा करना।
- विषय: जल संरक्षण, कचरे में कमी, ऊर्जा की बचत, टिकाऊ भोजन प्रणाली और सामुदायिक जिम्मेदारी।
- स्वरूप: स्थानीय भाषाओं में तैयार 12-मॉड्यूल का पाठ्यक्रम।

स्तंभ 2: योगिक ग्रीन स्कूल कार्यक्रम (Vidyarthi Parivartan)

- लक्ष्य: स्कूलों में 10-सप्ताह का पर्यावरण मूल्य शिक्षा कार्यक्रम।

- गतिविधियाँ: ध्यान (Meditation), प्रकृति जर्नलिंग, स्कूल किचन गार्डन और कचरा पृथक्करण।
- प्रत्येक स्कूल से 10 'ग्रीन स्कूल चैंपियन' (GSC) तैयार करना।

स्तंभ 3: टिकाऊ योगिक ग्राम (Gram Parivartan)

- लक्ष्य: प्रत्येक राज्य में मॉडल गांवों का विकास (कुल 90 गांव)।
- कार्य: कंपोस्टिंग, जल संचयन, शून्य कचरा जलाना, और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना।

स्तंभ 4: इको सेवा स्वच्छता अभियान (Samaj Parivartan)

- लक्ष्य: सामुदायिक स्वच्छता, वृक्षारोपण और नदी/झील पुनरुद्धार अभियान।
- अभियान के साथ 'सामुदायिक ध्यान' (Community Meditation) आयोजित करना।

स्तंभ 5: पर्यावरण चैंपियन प्रशिक्षण (Paryavaran Pracharak)

- लक्ष्य: 10,000 ब्रह्माकुमारी स्वयंसेवकों को 'प्रकृति मित्र' के रूप में प्रशिक्षित करना।
- कौशल: संचार कौशल, डेटा रिकॉर्डिंग और डिजिटल डैशबोर्ड पर रिपोर्टिंग।

3. सेवाकेंद्र स्तर पर क्रियान्वयन (Implementation at BK Centre Level)

A. 'प्रकृति मित्र' (Environment Champions) का चयन

प्रत्येक केंद्र या सक्रिय गीता पाठशाला को अपने यहाँ से दो (2) भाई-बहनों का चयन करना है। ये स्वयंसेवक मुख्यालय और उप-जोन स्तर पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

B. सेवाकेंद्र पर नियमित कक्षाएं

12-मॉड्यूल वाले पाठ्यक्रम को साप्ताहिक सुबह की मुरली क्लास, विशेष रविवार सत्र, या मासिक रिट्रीट के माध्यम से पहुँचाना है।

C. स्थानीय स्कूलों के साथ जुड़ाव

अपने सेवाकेंद्र के पास के कम से कम एक स्कूल का चयन करें और वहां 10-सप्ताह का "ग्रीन स्कूल प्रोग्राम" शुरू करें।

D. सामुदायिक अभियान

प्रत्येक केंद्र को 3 वर्षों में लगभग 6 सामुदायिक अभियान (स्वच्छता, वृक्षारोपण आदि) आयोजित करने हैं।

E. डेटा और रिपोर्टिंग

चयनित 'प्रकृति मित्र' को केंद्र की गतिविधियों का डेटा नियमित रूप से डिजिटल डैशबोर्ड पर लॉग करना होगा।

"स्व-परिवर्तन से विश्व परिवर्तन" - ब्रह्माकुमारीज़ पर्यावरण प्रतिबद्धता”